GST NO. 07AAACE1747M1ZJ CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58 **Email:** ro.epch@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519 **web:** www.epch.in

PRESS RELEASE

48th EDITION OF IHGF – DELHI FAIR AUTUMN 2019 CONCLUDES WITH VISIT OF 7312 BUYERS, THEIR REPRESENTATIVES AND BUSINESS ENQUIRIES WORTH RS. 3750 CRORES

BUYERS SEEN FINALIZING ORDERS ON LAST DAY

GREATER NOIDA – OCT 20 2019 - The 48TH edition of IHGF DELHI FAIR AUTUMN 2019 concluded today at India Expo Centre & Mart, Greater Noida contributing significantly both to the exports of handicrafts as well as the promotion of crafts clusters across India.

This edition of the IHGF-Delhi Fair tagline was Reduce, Reuse and Recycle –An initiative to Breathe life into junk. Shri Rakesh Kumar, Director General-EPCH said that the various installations were created by using Waste materials such as metal from Moradabad, wood from Jodhpur, glass from Firozabad, handloom from Panipat and Jaipur and ceramics from Khurja. Secondary materials being automobile and plastic scraps from Mayapuri and Bahadurganj and non-hazardous e-waste from Delhi were also used. Besides above, the Council banned plastic bottled water and offered the metal water bottles to the visitors and exhibitors.

Buyers from various countries appreciated the efforts of EPCH for taking initiative in the direction of sustainability and also opined that IHGF-Delhi fair is growing year after year and keeps on not only bringing new products on display but also taking new initiatives.

India Expo Centre & Mart remained action packed for five days with over 3200 Indian handicrafts exporters from all across the country displaying selections of over 2000 + products and more than 300 trend specific design developments, 14 display segments of home, lifestyle, fashion, furniture and textiles spread out in an area of 1,97,000 sq. mtrs. informed Shri Ravi K. Passi, Chairman - EPCH.

The other highlights of five days extravaganza were knowledge seminars, fashion shows, theme pavilions from North East, Narsapur and Mana Village at Indo-China border for the first time and distribution of Ajay Shankar and P N. Suri Memorial awards to best design and display stands of the exhibitors.

Ministry of Textiles, Govt. of India have given special focus on handicrafts of Jammu & Kashmir and a theme on J&K was also set up.

Overseas buyers and their representatives participation from 110 countries increased from 6596 last year to 7312 this year supported by over 2000 domestic volume buyers. The fair generated business enquiries to the tune of Rs. 3750 crores this year representing an increase over last year.

Shri Ravi K. Passi, Chairman – EPCH said that the buyers visited maximum from USA (973), Germany (315), UK (337), Australia (345), France (297), Japan (208) and China (174), Russia [31]. This year new buyers also visited from Libya, Madagascar and Moldova.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Various dignitaries such as Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon'ble Union Minister of Jal Shakti, Shri Anurag Thakur, Minister of State for Finance & Corporate Affairs, Shri Chaudhary Udaybhan Singh, Minister of State for Micro, Small & Medium Enterprises, Khadi & Grammoudyog and Export Promotion, Govt. Of UP, Shri Ajay Tamta, former Minister of State for Textiles, Shri Ravi Capoor, Secretary [Textiles], Ministry of Textiles, Shri Vijoy Kumar Singh, IAS, Addl. Secretary & Financial Advisor, Ministry of Textiles, Shri Shantmanu,IAS Development Commissioner [Handicrafts], Shri Suresh Jain, Chancellor, Tirthankar Mahaveer University, Moradabad and various other Government officials visited the show.

The visitors profile to the show included overseas buyers from across the globe, wholesalers, distributors, chain stores, departmental stores, retailers, mail order companies, brand owners, buying houses and designers and trend forecasters.

The exhibitors who had opted for Retail sale during the show said that the initiatives, taken by EPCH for inviting e-commerce and online companies to source from the IHGF-Delhi Fair are showing good results. One of the exhibitors Mr. Naved Ur Rehman from Zed Sons Company, Moradabad said that buyers of these categories from America, Europe and other countries are placing orders directly from India to sell through their e-portals and online platforms.

Shri Kumar, DG – EPCH informed that the reason behind visit of large number of buyers at 48th edition of IHGF Delhi fair Autumn 2019 from various countries is that EPCH has undertaken extensive promotion and publicity campaign all across the globe through advertisements in International magazines, online portals, out door media and road shows at various International shows.

The Handicrafts exports during the year 2018-19 was Rs. 26,590.25 crores. However, the exports of handicrafts during 6 months i.e. April-Sept., 2019-20 is Rs. 12,543.07 crores registering a growth of 2.11% over the same period last year informed Shri Kumar, DG – EPCH. The next edition of IHGF-Delhi fair Spring will be held from 15 - 19 April, 2020.

For more information, please contact :
Mr. Rakesh Kumar – ED – EPCH - +91-9818272171

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

GST NO. 07AAACE1747M1ZJ CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070

Tel: 91-11-26135256 / 57 / 58 **Email:** ro.epch@epch.com

Fax: 91-11-26135518,26135519 **web:** www.epch.in

प्रेस विज्ञप्ति

48वां IHGF-दिल्ली मेला ऑटम 7312 खरीदारों एवं उनके प्रतिनिधियों के आगमन और 3750 करोड़ रुपये की बिजनेस पूछताछ के साथ सम्पन्न

BUYERS SEEN FINALISING ORDERS ON LAST DAY

ग्रेटर नोएडा- 20 अक्टूबर 2019- पांच दिनों से ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में चल रहा 48वां आईएचजीएफ-दिल्ली मेला ऑटम 2019 बड़े पैमाने पर हस्तशिल्प निर्यात एवं भारत के शिल्प क्लस्टर्स को प्रचार देने के अपने महत्वपूर्ण योगदान के साथ आज समाप्त हो गया.

मेले के इस संस्करण का टैगलाइन था रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल- कबाड़ में जान फूंकने की पहल.

ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने कहा कि मेले में विभिन्न इन्स्टॉलेशन कबाड़ के इस्तेमाल से बनाई गई थीं जैसे कि मुरादाबाद से मेटल, जोधपुर से लकड़ी, फिरोजाबाद से शीशा, पानीपत व जयपुर से हैंडलूम और खुर्जा से सिरामिक. इसके अलावा ऑटोमोबाइल एवं प्लास्टिक की रद्दी चीजें मायापुरी तथा बहादुरगंज और दिल्ली से जोखिम रहित ई-कचरे भी इस्तेमाल किए गए. इनके अलावा, परिषद ने मेले में आने वाले आगंतुकों और प्रदर्शकों को पानी की प्लास्टिक की बोतलों की जगह धातु से बनी बोलतों की पेशकश की.

विभिन्न देशों के खरीदारों ने लंबे समय तक टिके रहने वाले पहल की दिशा में प्रयास करने के लिए ईपीसीएच की सराहना की और यह भी कहा कि आईएचजीएफ-दिल्ली मेला वर्ष दर वर्ष बड़ा होता जा रहा है और यह न केवल नए उत्पादों को लाने की प्रक्रिया में लगा है बल्कि नई नई पहल भी कर रहा है.

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री रवि के पासी ने कहा कि इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट के 1,97,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में पांच दिनों के दौरान देशभर से आए हस्तशिल्पों के 3200 से अधिक हस्तशिल्प के प्रदर्शकों ने होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्नीचर एवं टेक्सटाइल्स जैसी 14 उत्पाद श्रेणियों में चुनिंदा 2000 से अधिक उत्पादों और 300 से अधिक ट्रेंड पर आधारित डिजाइनों के प्रदर्शन की भरपूर गतिविधियां चलीं.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

इस पांच दिवसीय भव्य आयोजन के अन्य मुख्य आकर्षणों में नॉजेल सेमिनार, फैशन शो, पूर्वोत्तर, जम्मू-कश्मीर, नरसापुर और माणा गांव के थीम पवेलियन थे. भारत चीन की सीमा पर स्थित माणा गांव इस मेले में पहली बार शामिल हुआ.

केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के हस्तशिल्पों पर खास ध्यान दिया है और मेले में जम्मू-कश्मीर के हस्तशिल्पों पर एक थीम पवेलियन भी स्थापित की गई थी.

मेले में 'बेस्ट डिजाइन ऐंड डिस्प्ले स्टैंड' के लिए प्रदर्शकों को अजय शंकर और पीएन सूरी मेमोरियल अवार्ड भी दिए गए.

मेले में 110 देशों से पहुंचे विदेशी खरीदारों और उनके प्रतिनिधियों की संख्या भी बीते वर्ष के 6596 की तुलना में बढ़ कर 7312 हो गई, जिसमें 2000 घरेलू खरीदार भी शामिल हैं. पांच दिवसीय मेले के दौरान 3750 करोड़ रुपये की बिजनेस पूछताछ में भी बीते वर्ष की तुलना में इजाफा देखा गया.

ईपीसीएच के अध्यक्ष श्री रवि के पासी ने कहा कि सबसे अधिक खरीदार अमरीका (973), जर्मनी (315), ब्रिटेन (337), ऑस्ट्रेलिया (345), फ्रांस (297), जापान (208), चीन (174) और रूस (31) से पहुंचे. इस वर्ष लीबिया, मेडागास्कर और मॉल्डोवा जैसे देशों से नए खरीदार भी आए.

कई गणमान्य व्यक्तियों जैसे माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय वित्त व कॉरपोरेट मामलों के राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, उत्तर प्रदेश सरकार में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम; खादी एवं ग्रामोद्योग; कपड़ा और निर्यात संवर्धन राज्य मंत्री चौधरी उदय भान सिंह, पूर्व कपड़ा राज्य मंत्री श्री अजय टमटा, केंद्रीय कपड़ा सचिव श्री रवि कपूर, कपड़ा मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी व वित्त सलाहकार आईएएस श्री विजोय कुमार सिंह, हस्तशिल्प विकास आयुक्त आईएएस श्री शांतमणु, तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी मुरादाबाद के चांसलर श्री सुरेश जैन और कई अन्य सरकारी अधिकारियों ने इन पांच दिनों के दौरान मेले का दौरा किया.

मेले के आगंतुकों में पूरी दुनिया से पहुंचे विदेशी खरीदार, थोक खरीदार, डिस्ट्रीब्यूटर, चेन स्टोर्स, डिपार्टमेंट स्टोर्स, रिटेलर्स, मेल ऑर्डर कंपनियां, ब्रांड के मालिक, खरीद घराने, डिजाइनर्स और ट्रेंड का पूर्वानुमान लगाने वाले शामिल रहे.

जिन प्रदर्शकों ने शो के दौरान खुदरा बिक्री (रिटेल सेल) का विकल्प चुना था, उन्होंने कहा कि ईपीसीएच ने आईएचजीएफ-दिल्ली मेले में ई-कॉमर्स तथा ऑनलाइन कंपनियों को बुलाने की

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

अच्छी पहल की है, इसके अच्छे परिणाम दिख रहे हैं. मुरादाबाद के जेड संन्स कंपनी के प्रदर्शक श्री नवेद उर रहमान ने कहा कि इस वर्ग के अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के खरीदार सीधे अपने ई-पोर्टल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए उत्पादों को बेचने का ऑर्डर दे रहे हैं.

ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने कहा कि 48वें आईएचजीएफ-दिल्ली मेला ऑटम 2019 में खरीदारों की इतनी बड़ी संख्या पहुंची इसकी वजह ये है कि ईपीसीएच ने दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं, ऑनलाइन पोर्टलों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मेलों में आउटडोर मीडिया व रोड शो जैसे विज्ञापन माध्यमों के जरिए बड़े पैमाने पर इस मेले के लिए प्रचार-प्रसार का अभियान चलाया था.

ईपीसीएच के डीजी श्री कुमार ने बताया कि वर्ष 2018-19 के दौरान हस्तशिल्पों का निर्यात 26,590.25 करोड़ रुपये था. हालांकि, 2019-20 के पहले छह महीनों के दौरान हस्तशिल्पों का निर्यात 12,543.07 करोड़ रुपये रहा है और इसमें बीते वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2.11% की वृद्धि देखने को मिली है. The next edition of IHGF-Delhi fair Spring will be held from 15 - 19 April, 2020.

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार- डीजी- ईपीसीएच - +91-9818272171

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.

Copyright 2018 - Export Promotion Council for Handicrafts. All Rights Reserved.